

डॉ. जेफ़री हडॉन, बाइबिल पुरातत्व, सत्र 6, भौगोलिक क्षेत्र, भाग 2

© 2024 जेफ़री हडॉन और टेड हिल्डेब्रांट

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हडॉन हैं। यह सत्र 6, भौगोलिक क्षेत्र, भाग 2 है।

ठीक है, पवित्र भूमि में हमारा अगला भौगोलिक क्षेत्र शेरोन का मैदान कहलाता है।

और यह, फिर से, तटीय मैदान है जो भूमध्य सागर की सीमा पर है। और आप सोचेंगे कि यह मैदान खेती के लिए बहुत-बहुत उपजाऊ और अद्भुत होगा। लेकिन यहां एक समस्या है।

हम एक मिनट में उस पर चर्चा करेंगे। लेकिन उत्तर से दक्षिण की ओर देखते हुए शेरोन का यह एक अच्छा दृश्य है। प्राचीन काल में और आज भी एक समस्या यह है कि लेवांत के तट पर कोई प्राकृतिक बंदरगाह नहीं हैं या बहुत कम हैं।

एटलिट छोटा सा है। हेरोदेस ने वास्तव में अपना स्वयं का निर्माण किया। जाफ़ा काफी खराब बंदरगाह है।

इज़राइलियों ने अशदोद के आसपास बहुत काम किया है और वहां एक आधुनिक बंदरगाह बनाया है, फिर से भराव का उपयोग किया है और एक कृत्रिम, बहुत सारे कृत्रिम घाट और घाट बनाए हैं। प्राचीन काल में शेरोन के मैदान में, जैसा कि आज होता है, भूमध्य सागर में जाने वाली छोटी-छोटी धाराओं या घाटियों की एक श्रृंखला थी। हालाँकि, इन्हें किरकर रिज कहा जाता है जिससे अवरुद्ध किया जाएगा।

और हम एक मिनट में उसकी तस्वीर देखेंगे। यह मूल रूप से समुद्री जीवन का जीवाश्म है जिसकी यहां एक पहाड़ी थी, और जो इन धाराओं को भूमध्य सागर में जाने की अनुमति नहीं देती थी। तो, आपके यहाँ दलदली क्षेत्र है।

और केवल आप, और फिर प्राचीन काल में, इसका उपयोग बहुत, बहुत कम था। और इसलिए आपकी सड़क, आपकी, आपकी वाया मैरिस या आपके तटीय राजमार्ग को यहां पूर्व की ओर जाना था। और हम इसे यहां एक मिनट में देखेंगे।

यह वहां के तट पर एटलिट कैसल, कूसेडर और इस्लामिक काल का महल है। डोर एक प्राचीन शहर है और सोलोमन के समय का एक बहुत ही महत्वपूर्ण फोनीशियन शहर है जिसकी कई वर्षों में बड़े पैमाने पर खुदाई की गई थी। मुझे लगता है कि यह 1980 में शुरू हुआ और अपेक्षाकृत हाल तक जारी है। सुदूर दक्षिण में, हमारे पास प्रसिद्ध कैसरिया मैरिटिमा है।

और इसे फिर से हेरोदेस ने स्ट्रैटोस टॉवर नामक एक छोटी बस्ती से बनाया था। और निस्संदेह, हेरोदेस ने सब कुछ असाधारण और बड़े पैमाने पर किया। और उन्होंने, मेरा मतलब है, उस

समय की अत्याधुनिक तकनीक से, वास्तव में एक कृत्रिम आंतरिक और बाहरी बंदरगाह का निर्माण किया और वास्तव में पानी के नीचे को सख्त करने के लिए रोमनों द्वारा विकसित सीमेंट का उपयोग किया।

और वह सब हाथ से किया गया था। यह इस समझौते का प्रारंभिक, प्रारंभिक चरण है। वास्तव में उपयोग किया गया, हेरोदेस ने वास्तव में सीवर को धोने के लिए ज्वार का उपयोग किया।

सीवर को इन तहखानों में बहा दिया गया था। आप उन्हें यहां नहीं देख सकते. और ज्वार अंदर आएगा और मल को तहखानों से बाहर बहा देगा।

इसलिए, शहर के निर्माण के लिए उपयोग किए जाने वाले समय और तकनीकों के लिए बहुत सारी उच्च तकनीकें थीं, जिनमें से कम से कम पानी की आपूर्ति थी। इस स्थल के आसपास पानी की कोई आपूर्ति नहीं है।

इसलिए, हेरोदेस ने कैसरिया तक झरने का पानी लाने के लिए कार्मेल पर्वत की तलहटी से एक लंबा जलसेतु बनवाया। यह आज कैसरिया है. हेरोदेस के पास एक महल था, और मुझे लगता है, हम उसकी एक और तस्वीर देखेंगे।

यह उन तालाबों में से एक है जिसे उन्होंने अपने महल के बगल में बनवाया था। और आप वहां थिएटर देख सकते हैं और वह आज जैसा दिखता है। यहां हेरोदेस का महल वैसा ही है जैसा प्राचीन काल में दिखता था।

वहाँ थिएटर है. उनके पास मछली के साथ खारे पानी और मीठे पानी दोनों के पूल थे और निश्चित रूप से, माउंट कार्मेल से एक जलसेतु भी था। हेरोदेस और उसके रोमन इंजीनियरों की अविश्वसनीय चतुराई।

किरकर पर्वतमालाओं का हिस्सा है। फिर से, समुद्री जीवन जीवाश्म बन गया, और आप वास्तव में इसे पत्थर की तरह खोद सकते हैं। और उस अवरोध ने, कुछ अपवादों को छोड़कर, भूजल और धारा जल को भूमध्य सागर तक जाने से रोक दिया, जिससे दलदल बन गए।

और, निःसंदेह, आधुनिक समय में इसे कम कर दिया गया है। हमने पहले बात की थी कि पहली इज़राइली खुदाई में से एक तेल कासिले नामक स्थान था, जो वास्तव में तेल अवीव के बहुत करीब एक फिलिस्तीनी स्थल था। आप वहां दूर-दूर तक गगनचुंबी इमारतें देख सकते हैं।

और यह फ़िलिस्ती अभयारण्य का हिस्सा है, जिसके बारे में हम फ़िलिस्ती संस्कृति के बारे में जानने के बाद थोड़ा और बात करेंगे। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण साइट है. फ़िलिस्ती स्थल आमतौर पर पहले के कनानी स्थलों पर बनाए गए थे जिन्हें उन्होंने समुद्री लोगों के आक्रमण के हिस्से के रूप में फिर से नष्ट कर दिया था।

और तेल कासिले एक कुंवारी साइट थी। उन्होंने इसे बनाया, और इसके नीचे कुछ भी नहीं था। तो, इस कारण से यह एक महत्वपूर्ण साइट है।

अब, एक बड़ी नदी भूमध्य सागर में जा रही है। इसे यार्कोन नदी कहा जाता है, और यह एक बहुत छोटी नदी है।

और यह मूल रूप से कुछ मील ऊपर की ओर शुरू होता है, अपेक या रास अल ऐन नामक स्थान, स्रोत का प्रमुख, झरने का प्रमुख। और वह बाइबिल आधारित अपेक है, जो एक मिस्र का कनानी शहर और प्रशासनिक केंद्र था। और फिर नए नियम के समय में, एंटीपैट्रिस।

यह एक ऑटोमन किला है जो अवशेषों के एक हिस्से पर बनाया गया है। और यहाँ रोमन सड़क का एक हिस्सा है जहाँ आप चल सकते हैं जहाँ प्रेरित पॉल चले थे जब वह मजिस्ट्रेट या गवर्नर और राजा के सामने पेश होने के लिए यरूशलेम से कैसरिया मैरिटिमा तक यात्रा कर रहे थे। तेल अवीव के दक्षिण में, तेल अवीव, फिर से, एक आधुनिक शहर है।

इसका निर्माण रेत के टीलों पर किया गया था। वहां बोलने लायक कोई प्राचीन अवशेष नहीं हैं। हालाँकि, जाफ़ा, जो अब दक्षिण में तेल अवीव का एक उपनगर है, हम यहाँ भूमध्य सागर के किनारे उत्तर की ओर देख रहे हैं, एक बहुत प्राचीन शहर है।

यह सोलोमन के लिए मिस्र का एक बहुत ही महत्वपूर्ण आधार और बंदरगाह था। लेबनान के सभी देवदार भूमध्य सागर के तट के किनारे तैरते रहे और फिर उन्हें लेबनान के देवदारों का महल, मंदिर इत्यादि बनाने के लिए जाफ़ा से यरूशलेम तक लाया गया। हाल ही में लॉस एंजिल्स में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, यूसीएलए, आरोन बर्क और उनकी टीम द्वारा जाफ़ा में बहुत काम किया गया है।

वे न केवल 1950, 60 और यहां तक कि 70 के दशक में की गई पुरानी खुदाई को प्रकाशित कर रहे हैं, बल्कि वे अपनी खुद की खुदाई भी कर रहे हैं, और वे इसे प्रकाशित करके बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। न्यू किंगडम के दौरान कांस्य युग के अंत में यह मिस्र का एक महत्वपूर्ण आधार था। बर्क और उनकी टीम ने एक आंतरिक बंदरगाह की खोज की जो अब सूख गया है और जहाजों को संरक्षित करने की अनुमति दी गई है।

फिर, आपको यहां यह घाट मिला है, ब्रेकवाटर, एक घाट जो शिपिंग को समुद्र से आने से बचाता है, लेकिन वास्तव में उसने कभी भी इतना अच्छा काम नहीं किया। आपके पास ऑटोमन काल और शुरूआती जनादेश अवधि के दौरान पवित्र भूमि पर आने वाले तीर्थयात्रियों या पर्यटकों के बहुत सारे खाते हैं, जिनके पास जहाज के रास्ते का लंगर था और उनके पास जाफ़ा हार्बर से आने वाली नावें थीं। और संरक्षित बंदरगाह की यात्रा करना और वहां जाफ़ा बंदरगाह पर उतरना बहुत ही जोखिम भरा है।

लेकिन फिर भी, प्राचीन काल में उन प्रारंभिक काल के लिए बहुत, बहुत महत्वपूर्ण स्थल। हम तटीय मैदान से पूर्व की ओर बढ़ते हैं और हम यहां यहूदा के उत्तर में हैं, इसलिए हमारे पास किसी प्रकार का तलहटी क्षेत्र नहीं है। यह एक तरह से पहाड़ी देश में धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने या ऊपर चढ़ने जैसा है।

यह फिर 1967 तक था, जब यह जॉर्डन के नियंत्रण में था। इजरायलियों ने छह दिवसीय युद्ध में इस पर कब्जा कर लिया, और इसलिए उन्होंने इस क्षेत्र में सर्वेक्षण और खुदाई करना शुरू कर दिया, जो वास्तव में प्राचीन इजराइल का हृदय स्थल है। और यहाँ कुछ अच्छे दृश्य हैं।

यह एप्रैम और मनश्शे के पहाड़ी देश की विशिष्ट स्थलाकृति का एक दृश्य है। और आप आज भी छतों या छतों के साक्ष्य देख सकते हैं। और उनका उपयोग शायद आंशिक रूप से ओटोमन या प्रारंभिक जनादेश काल, 20वीं शताब्दी तक किया गया था, साथ ही एक वॉचटावर भी था, जो फिर से एक बहुत अच्छा उदाहरण देता है कि किसान अपनी छतों पर कैसे नज़र रखते थे, जो कि जैतून या अंगूर, अंगूर की खेती होती थी। .

और फिर, वाडी के फर्श पर, उन्होंने अनाज उगाया होगा। आमतौर पर ऐसा ही होता था. और फिर, यहां सामग्री, हमारे पास कुछ स्लाइड्स पहले थी, एक भूवैज्ञानिक अवलोकन, सेनोमेनियन चूना पत्थर होगा।

और इसमें एक प्रकार का लाल रंग था और जो मिट्टी टूटती थी, वह आधारशिला टूटकर मिट्टी में बदल जाती थी। इसे टेरा रॉसा कहा जाता था , यह एक बहुत समृद्ध और लौहयुक्त मिट्टी थी जो इस प्रकार की कृषि के लिए आदर्श थी। अब, जिन लोगों ने इस क्षेत्र में खुदाई और सर्वेक्षण किया, एडम ज़ेर्टल , जिन्होंने मनश्शे के क्षेत्र की खुदाई की, और इजराइल फ़िकेलस्टीन, जिन्होंने एप्रैम और बेंजामिन के हिस्से की खुदाई की, और एवी फॉस्ट, जिन्होंने इस पर बड़े पैमाने पर लिखा, ने वहां काम किया है कुंआ।

, आयरन। अवधि के दौरान, कनान की भूमि में, पवित्र भूमि में एक इकाई के रूप में इजराइल के उद्भव को समझना बहुत महत्वपूर्ण कार्य है। ठीक है, दोथान घाटी एक तरह से कुलपतियों के मार्ग का अंत है, वह मार्ग जो बेशेबा से पहाड़ी देश की रीढ़ तक उत्तर-दक्षिण की ओर जाता है, और दोथान घाटी में निकलता है। डोथन एक प्रमुख शहर, बाइबिल आधारित शहर था।

निस्संदेह, उत्पत्ति 37 में, यूसुफ दोतान घाटी में अपने भाइयों से मिलने जाता है। यहीं पर यूसुफ को मिद्यानी व्यापारियों को बेच दिया गया और मिस्र ले जाया गया। और दुख की बात है कि यह एक तरह का आधुनिक फुटनोट है, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, 1942 की शुरुआत के काले दिनों में, जब अफ्रीका कोर, जर्मन सेना, पश्चिमी मिस्र में ब्रिटिश सुरक्षा के खिलाफ दबाव डाल रही थी, तो डर था, और यह सही भी है , मिस्र के माध्यम से और फ़िलिस्तीन में एक जर्मन आक्रमण का।

हज अमीन अल-हुसैनी नाम का एक मुस्लिम नेता था, जिसने एडॉल्फ हिटलर के साथ दौरा किया था, और उन्होंने पहले से ही फिलिस्तीन की सभी यहूदी आबादी को नष्ट करने और मारने के लिए डोथन घाटी में विनाश शिविर बनाने की योजना बनाई थी। और इसलिए शुक्र है कि ऐसा कभी नहीं हुआ। लेकिन डोथन घाटी आज एक खूबसूरत इलाका है।

इसका अधिकांश भाग वेस्ट बैंक पर है। आप बाइबिल डोथन के अवशेष भी देख सकते हैं, जिसे 1950 के दशक में व्हीटन कॉलेज द्वारा खोदा गया था और प्रकाशित किया गया था, और आज भी

प्रकाशित किया जा रहा है। विशिष्ट इज़राइली काल, पुराने नियम काल, पहाड़ी देश की बस्ती का एक और उत्कृष्ट दृश्य।

आपको यहां पहाड़ी की चोटी पर यह आधुनिक अरब गांव मिला है। यहीं पर खेत-खलिहान या छोटे इज़राइली गांव रहे होंगे। घाटी के तल तक, वाडी तल तक, जहां आप अनाज की खेती करते हैं, आपके पास छतें हैं।

और यह बाइबिल आधारित इज़राइल का एक विशिष्ट दृश्य है, यह कैसा दिखता होगा। प्राचीन सामरिया, सेबेस्टिया, मनश्शे के पहाड़ी देश में बना एक प्रसिद्ध शहर है। इसे इसराइल के राजा ओम्री ने चुना था।

उन्होंने शेमार से जमीन खरीदी, जिसे अक्सर एक संपत्ति माना जाता था, लेकिन वहां सामरिया में एक वास्तविक पूर्व-ओमरी समझौता था। उसने एक शहर बसाया। और फिर, निःसंदेह, बाद के यहू राजवंश में यारोबाम द्वितीय ने भी इसका विस्तार किया।

और यह एक शानदार शहर था, बहुत अच्छी तरह से संरक्षित, बहुत अच्छी तरह से बनाया गया। और इसमें से कुछ, फिर से, ग्रीको-रोमन बस्ती के बाद के अवशेष हैं। यह यहां का हेलेनिस्टिक टॉवर है।

लेकिन यहां मौजूद इनमें से कुछ अवशेष इजरायली हैं। उत्खनन में, हमने जॉर्ज रीस्नर का उल्लेख किया, लेकिन 1930 के दशक में भी। और बाद में कुछ छोटी खुदाई।

यह सामरिया की साइट योजना है, जैसा आज दिखाई देता है। और फिर हमारे पास शेकेम का प्रसिद्ध शहर है। और फिर, श्राप और आशीर्वाद के दो प्रसिद्ध पर्वत, गेरिज़िम पर्वत और एबाल पर्वत, जैसे वे आज दिखाई देते हैं।

हम उसे थोड़ी देर बाद खोलेंगे। यह एडम ज़र्टल है। और 1980 के दशक में, उन्होंने यह दावा करके सुर्खियां बटोरीं कि उन्होंने जोशुआ की वेदी ढूंढ ली है जिसे जोशुआ ने माउंट एबल पर बनाया था।

और जूरी अभी भी इस बात पर असमंजस में है कि वह वेदी थी या प्रहरीदुर्ग, किसी प्रकार का वर्गाकार मीनार। लेकिन मुझे बताया गया कि ज़र्टल इज़रायली सैनिकों को साइट पर लाएगा और समझाएगा। और इज़राइली जो ज्यादातर अज्ञेयवादी हैं, सैनिक अक्सर इन अवशेषों को देखकर और सबूतों को देखकर, ज़र्टल द्वारा उन्हें बताए गए सबूतों को सुनकर भगवान में अपना विश्वास नवीनीकृत करते हैं।

ज़र्टल योम किप्पुर युद्ध का एक अनुभवी था और बुरी तरह घायल हो गया था। मुझे लगता है कि उन्होंने एक टैंक में सेवा की और जीवन भर बैसाखी के सहारे चलते रहे। दुर्भाग्यवश कुछ वर्ष पहले उनका निधन हो गया।

यहाँ प्राचीन शेकेम है। फिर से, न्यू टेस्टामेंट नेपोलिस। और आप यहां कुछ दीवारें देख सकते हैं।

मिगडाल मंदिर, एक विशाल मंदिर जिसकी खुदाई मध्य कांस्य, अंतिम कांस्य युग में की गई थी। और फिर, न्यायाधीशों की पुस्तक और उससे पहले के विभिन्न बाइबिल खातों का दृश्य। और इसे अक्सर पहाड़ी देश की बेताज रानी कहा जाता है क्योंकि सोलोमन की मृत्यु के बाद इज़राइल और यहूदा के अलग होने के बाद यह इज़राइल की पहली राजधानी थी।

लेकिन फिर इसने अपनी चमक खो दी और राजधानी पहले तिरज़ा और फिर अंत में सामरिया चली गई। फिर से, यहाँ कांस्य युग का प्रवेश द्वार है। और टावर मंदिर के पास मसिबा जो खुला हुआ है।

और फिर, यह हमारे लिए यहां एंड्रयूज विश्वविद्यालय में है। यह पहली साइट थी जहां हमारे संस्थापक प्रोफेसर ने 1962 में एक स्वयंसेवक के रूप में खुदाई की थी। यहां वादी फारिया पर दूसरी इज़राइली राजधानी, तिरज़ा है।

फिर, कुछ मायनों में एक बेहतर स्थान, लेकिन केवल अपेक्षाकृत कम समय के लिए इज़राइल की राजधानी के रूप में कार्य किया। जैसा कि मैं शीलो में बोल रहा हूँ, खुदाई चल रही है। और पिछले कुछ वर्षों में वहां खुदाई की गई, मेरा मानना है, एक उच्च अभियान और फिर एक इजरायली अभियान और अब एक अमेरिकी अभियान द्वारा तंबू की जगह की तलाश।

और वहां हाल की खुदाई में खुदाई करने वालों ने यह पता लगाने का दावा किया है कि मंदिर कहां स्थित रहा होगा। ठीक है, अब हम वापस तट पर चलते हैं। शेरोन के मैदान के दक्षिण में पलिशती मैदान है।

और जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, यह पलिशतियों की मातृभूमि है। यह तेल अवीव के बाहर है. वहाँ प्राचीन मीनार.

और यहाँ सिनाई की ओर दक्षिण की ओर देखने वाले इज़राइल के समुद्र तट का एक उत्कृष्ट, फिर से, उपग्रह दृश्य है। और आप देख सकते हैं कि गहरे क्षेत्र वे क्षेत्र हैं जहां पर्याप्त खेती या पानी है, जबकि हल्के क्षेत्र शुष्क, अधिक शुष्क हैं। यही वह क्षेत्र है जिसे हम यहीं देख रहे हैं।

ठीक है, तटीय मैदान। यहां अमोस ओज़ से एक उद्घरण मिला। इज़राइल, तटीय मैदान जहां दस में से आठ इजरायली यहूदी रहते हैं, कब्जे वाले क्षेत्रों से, ज्वलंत यरूशलेम से और धार्मिक राष्ट्रीय संघर्षों से बहुत दूर, बाहरी दुनिया के लिए अज्ञात है, लगभग अपने आप में अज्ञात है।

पांच प्रमुख फिलिस्तीनी शहरों में से एक एक्रोन शहर था, जिसकी पहचान तेल मिक्ने से की गई है । और 1990 के दशक में, उन्होंने यहां एक विशाल मंदिर महल परिसर की खोज की, जिसमें एक स्मारकीय शिलालेख और तेल मिक्ने , बाइबिल एक्रोन में अविश्वसनीय खोज शामिल थी। हम गैथ की तस्वीरें पहले ही देख चुके हैं।

यह बार-इलान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आरोन मेयर हैं, जिनकी वेदी चार सींगों वाली है, उनमें से दो गायब हैं, लेकिन मूल रूप से चार थीं। यह 1940 के दशक में, खुदाई से पहले, तेल एस-

सफ़ी, बाइबिल गाथ की साइट है। यहां का नक्शा फिर से अश्कलोन, अशदोद, गाजा, मिक्ने और गत के फिलिस्तीनी स्थलों को दर्शाता है।

वे पांच फ़िलिस्ती प्रमुख भूकंप केंद्र हैं। फिर, वे ग्रीक पुलिस की तरह स्वशासित नहीं थे, लेकिन वे शिथिल रूप से संघबद्ध थे और आयरन। और प्रारंभिक आयरन ॥ अवधि के दौरान उन्होंने फिर से उस क्षेत्र को नियंत्रित किया। यह तेल अल-हेसी में पेट्री की साइट है, और मूल रूप से उसने सोचा था कि यह लैकिश है।

यह स्पष्ट रूप से गलत है। विद्वान अब मानते हैं कि यह मिग्डल गाड की साइट है। और यह कुछ आधुनिक खुदाई है जो 1970 के दशक में की गई थी, पेट्री की नहीं।

खुदाई के दौरान यहां अशदोद की तस्वीरें। आज, यह एक प्रकार का ऊंचा टीला मात्र है; वहां देखने के लिए बहुत कुछ नहीं है। लेकिन तेल की तलहटी में हाल की खुदाई से ईसा पूर्व 8वीं और 7वीं शताब्दी के एक असीरियन प्रशासनिक केंद्र का पता चला है, जिसने बाइबिल के इतिहास की कुछ बहुत दिलचस्प संभावनाओं को खोल दिया है, जिसके बारे में हम बाद में बात करेंगे।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अश्कलोन की खुदाई की, जो समुद्र तट पर स्थित शहरों में से एक है। अशदोद थोड़ा अंतर्देशीय है। और अश्कलोन, जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, बहुत अच्छी तरह से वित्त पोषित है।

सुंदर मध्य कांस्य प्रवेश द्वार। आप शहर में वैसे ही चल सकते हैं जैसे लोग लगभग 3,500 साल पहले करते थे। और इस प्रवेश द्वार के बाहर मिट्टी के बर्तनों का एक छोटा सा कंटेनर या मिट्टी के बर्तनों का घर मिला जिसके अंदर एक चांदी का बछड़ा था, जो एक तरह से बहुत अच्छी तरह से प्रचारित खोज थी।

गाजा, तट के किनारे का अंतिम शहर, फिर से एक फिलिस्तीनी शहर, आधुनिक राजनीतिक स्थिति के कारण बहुत अच्छी तरह से खुदाई नहीं की गई। और वहां कुछ खुदाई भी हुई है। फ़्रांस ने वहां काम किया है, साथ ही फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण ने भी, लेकिन अब तक इसे बहुत अच्छी तरह से प्रकाशित नहीं किया गया है।

हम तटीय मैदान, या फ़िलिस्तिया के मैदान से उस स्थान पर कूदते हैं जिसे यहूदा का जंगल कहा जाता है। और जंगल, फिर से, हमें यह स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि इसका क्या अर्थ है। हिब्रू में, यह मिडबार है, जिसका अर्थ है स्टेपी या ऊबड़-खाबड़ देश, सूखा, ऊबड़-खाबड़ देश।

यह रेगिस्तान नहीं है। इसे अक्सर जुडियन रेगिस्तान कहा जाता है। और मैंने इसे यही कहा है और शायद अब भी कहूंगा।

लेकिन यह अधिक ऊबड़-खाबड़ मैदानी भूमि है। और यह वास्तव में अपेक्षाकृत छोटा क्षेत्र है, चौड़ाई लगभग 15 मील और लंबाई लगभग 50 मील। लेकिन यह बाइबिल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण, महत्वपूर्ण क्षेत्र है, क्योंकि वहां बहुत कुछ घटित हुआ।

और क्योंकि जो साक्ष्य या अवशेष वहां जमा किये गये थे, वे कमोबेश जीवित हैं। यहीं पर हमें मृत सागर स्कॉल, विभिन्न कालों की खोजों वाली सभी यहूदी गुफाएं मिलीं। यह सब यहीं यहूदा के जंगल में हुआ।

यहां यरूशलेम के पूर्व में कुछ भूभाग है, जिससे आपको अंदाजा हो जाएगा कि यह कैसा दिखता है। आप यहां पर्वतीय क्षेत्र देख सकते हैं, और फिर यह स्टेपी भूमि, ऊबड़-खाबड़ स्टेपी भूमि देख सकते हैं जो समुद्र तल से 2,500 फीट से 1,400 फीट नीचे नाटकीय रूप से गिरती है। कुछ ही मील में ऊंचाई में भारी गिरावट।

यह जैतून पर्वत से पूर्व की ओर देख रहा है। आप यहां कुछ हरियाली देख सकते हैं, शायद यहूदिया के रेगिस्तान और जॉर्डन घाटी के नीचे एक इजरायली बस्ती है, जो वहां की धुंधली धुंध में है। यह माउंट स्कोपस पर हिब्रू विश्वविद्यालय में एक थिएटर है, जो पूर्व की ओर देख रहा है।

जब आप उस जलविभाजक रेखा को पार करते हैं तो यह लगभग एक बहुत ही नाटकीय परिवर्तन होता है क्योंकि वहां वर्षा की छाया होती है। बारिश होगी, बादल पहाड़ी देश पर गिरेंगे और फिर दरार पर उछलेंगे और जो कुछ भी बचेगा वह ट्रांसजॉर्डनियन हाइलैंड्स पर गिरेगा। और अंत में, हम मृत सागर पर आते हैं।

यह वहां की बहुत नाटकीय तस्वीर है. 33% नमक. यहाँ किनारे की कुछ तस्वीरें हैं।

यह तेजी से सिकुड़ रहा है. वहाँ एक पारिस्थितिक संकट है जिसे वे हल करने का प्रयास कर रहे हैं। और कुछ तथ्य: समुद्र से 8.6 गुना अधिक खारा।

इसके बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ हैं, और मृत सागर की मिट्टी से बने बहुत सारे स्वास्थ्य स्पा में बहुत सारे औषधीय गुण हैं। यह लगभग 42 मील लम्बा और 11 मील चौड़ा है। और वह शायद प्राचीन काल में कमोबेश यही रहा होगा।

33.7% लवणता और 1200 फीट गहराई। तो, यह पानी का एक बहुत गहरा भंडार है, ऊपरी बेसिन या उत्तरी बेसिन। हमने मृत सागर की ओर देखने वाले एन-गेदी मंदिर के बारे में बात की।

तो, हम उसके पास से गुजरेंगे, और बार-एडन द्वारा ताम्रपाषाण काल की खोज की जाएगी। यहां फिर से एक नाटकीय तस्वीर है, जिसमें ज़िज़ की चढ़ाई से एन-गेडी को नीचे देखा जा रहा है। और प्राचीन काल में भी यहां इज़राइली और रोमन दोनों तरह की किलेबंदी थी क्योंकि यह पहाड़ी देश के प्रवेश द्वारों में से एक है।

और 2 इतिहास 20 में अम्मोनियों, मोआबियों, और सेईर पर्वत के निवासियों ने यहोशापात पर आक्रमण किया है। और वे इस चढ़ाई पर आते हैं और निश्चित रूप से यहूदा पर हमला करते हैं, और अंत में खुद को मार डालते हैं। और फिर, एन-गेदी के बगल में नाहल डेविड है, जिसमें एक झरना है।

और यह इजरायली और पर्यटकों के लिए पैदल यात्रा और पिकनिक के लिए एक बहुत प्रसिद्ध या लोकप्रिय स्थान है। और यह फिर से वह जगह थी जहां दाऊद और उसके लोग शाऊल से छुपे होंगे, क्योंकि इस क्षेत्र में बहुत सारी गुफाएं हैं। जुडियन रेगिस्तान में एक और जगह बुकेया घाटी, आचोर की घाटी है।

और यह यरूशलेम के पूर्व में है, यहां एक तरह का मैदान है, और आज यह माउंटेन बाइकिंग के लिए फिर से लोकप्रिय है। लेकिन प्राचीन काल में, इसका उपयोग अर्धसैनिक फार्मस्टेड के रूप में किया जाता था जो नौवीं और विशेष रूप से आठवीं शताब्दी के दौरान यहां स्थापित किए गए थे। और हम उनके बारे में एक अलग स्लाइड, अलग स्लाइड श्रृंखला में थोड़ा और बात करेंगे।

यहोशू अध्याय 15 की पुस्तक में, आपको जनजातीय क्षेत्र या विभिन्न जिले मिले हैं, मुझे कहना चाहिए, यहूदा के, यहूदा की जनजाति। और ग्यारहवाँ जिला यहूदिया का जंगल है। और आश्वर्य की बात है, पाँच शहर थे, या क्षमा करें, छह शहरों का उल्लेख किया गया था, जिनका नाम यहोशू 15 में इसी प्रकार रखा गया था।

और बाइबिल पुरातत्वविदों और भूगोलवेत्ताओं के लिए एक कार्य उन शहरों की पहचान करना है। और फिर, पेसाह बार-अदोन, जिन्होंने उस गुफा में ताम्रपाषाण काल का खजाना पाया, ने बहुत सारे सर्वेक्षण कार्य किए और उन पाँच शहरों में से कुछ की पहचान की। उनमें से एक खिरबेट कुमरान था, जो फिर से वह बस्ती है जहां मृत सागर स्कॉल वास्तव में 12 गुफाओं में पाए गए थे।

लेकिन अन्य भी हैं। और एन-गेडी वह था जिसे खोजा गया था। लेकिन हिब्रू में इर -हा-मेलेक नामक एक शहर भी था, जिसका अर्थ है नमक का शहर।

उन्होंने पता लगाया कि मूल रूप से मृत सागर में जाने वाले गोदामों और घाटों की एक श्रृंखला थी जो वास्तव में मृत सागर से नमक का खनन करती थी और इसे समग्र रूप से यहूदा में शिपमेंट के लिए संसाधित करती थी। और इसलिए वस्तुतः, नमक का शहर वस्तुतः नमक का शहर था। वहां ध्यान देना दिलचस्प है।

इसके वर्णन में बहुत, बहुत सीधा है। साकाका, निबशाम और मेडिम अन्य शहर हैं। बीट अरवा, संभवतः यहाँ उत्तर में।

हम बस नहीं जानते। विभिन्न विद्वानों ने इन स्थलों की अलग-अलग पहचान दी है, जिनमें से एक संभवतः खिरबेट कुमरान है। वह सकाका हो सकता है।

लेकिन यह पता लगाने की कोशिश करना, इस क्षेत्र में पुरातात्विक साक्ष्यों के लिए जोशुआ की सूची को समझने की कोशिश करना दिलचस्प है। अब यरूशलेम से जेरिको तक, निस्संदेह, एक सड़क है, जो ल्यूक की पुस्तक में बहुत प्रसिद्ध है। और फिर, अच्छे सामरी का दृष्टान्त।

और गुड सेमेरिटन इन को बहाल कर दिया गया है। यह जेरिको और जेरूसलम के बीच एकमात्र झरना है। और यह वह स्थान होना चाहिए जहां सामरी ने घायल व्यक्ति को सराय के मालिक की देखरेख में छोड़ा था।

तो यह फिर से एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यह 19वीं, 20वीं सदी की शुरुआत में और फिर बाद में और इसके पूर्ण जीर्णोद्धार से पहले की तस्वीर है, जैसा कि आप आज इसे देखते हैं। हेरोदेस ने किले बनवाये।

हेरोदेस महान ने यहूदिया के रेगिस्तान में किले बनवाये। और उनमें से एक है हिरकेनिया। फिर से, आप वहां हस्मोनियन नाम को पहचानते हैं।

इसे हस्मोनियों के दौरान बनाया गया था और फिर हेरोदेस ने इसका विस्तार किया और इसे फिर से अपने कब्जे में ले लिया, साथ ही किप्रोस ने भी यहीं, और अन्य लोगों ने भी। और हम यहां कुमरान को देखते हैं। हमारे पास मृत सागर स्क्रॉल पर एक श्रृंखला होगी, लेकिन यह यहूदी संप्रदाय को समझने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण साइट है जिसने हमारे लिए मृत सागर स्क्रॉल को एकत्र और संरक्षित किया है।

उन्हें एन-गेडी में नाटकीय खोजें मिलीं। एक आराधनालय में, उन्हें जले हुए स्क्रॉल मिले जिन्हें उच्च तकनीक तरीकों का उपयोग करके समझा गया था। उन्हें पता चला कि यह लैविकस की पुस्तक का हिस्सा था।

और फिर, इसके संदर्भ में एन-गेडी की एक तस्वीर। पुराने नियम में विभिन्न कालखंडों के एन-गेडी की ओर देखने वाले कुछ किलों के बारे में बताया गया है। संभवतः इज़राइल में सबसे प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थलों में से एक, फिर से, सुदूर दक्षिण में, एन-गेडी के दक्षिण में जुडियन रेगिस्तान में है, हालांकि एन-गेडी के अंदर मसदा या मात्सुडा का पर्वत शिखर किला है, जिसका अर्थ है गढ़।

और यह फिर से एक प्रकार का युद्धपोत के आकार का चट्टानी पठार, पहाड़ की चोटी थी, हेरोदेस, उसके पहले के हस्मोनियन, और शायद डेविड के समय में भी, वहां लौह युग के मिट्टी के बर्तन पाए गए थे, जिनका उपयोग शरणस्थल के रूप में किया जाता था। हेरोदेस ने इसे मजबूत किया, परिधि के चारों ओर एक दीवार बनाई, और दो महल, एक त्रिस्तरीय महल और फिर यहां एक पश्चिमी महल बनाया। उसके पास बहुत सारे भंडारण स्थान और भंडारण कक्ष थे, और यदि राजनीति बहुत अधिक गर्म हो जाती और उसे यरूशलेम से भागना पड़ता तो यही उसके पास शरण के रूप में होता।

लेकिन 66 ईस्वी में, यहूदी विद्रोहियों, जीलोट्स ने वास्तव में मसादा को वहां की चौकी से कब्जा कर लिया। और वे 73 ईस्वी तक डटे रहे जब फ्लेवियस सिल्वा के नेतृत्व में 10वीं सेना ने उन्हें घेर लिया और उन पर हमला किया। यहां मसादा के शीर्ष पर कुछ भंडारगृह हैं, कुछ गैर-पुनर्जीवित, कुछ पुनर्निर्मित, और आप वहां दूर से मृत सागर देख सकते हैं।

ठीक है, यहाँ साइट का एक अच्छा हवाई दृश्य है। और किले के कमांडर बेन-यायर का कहना है कि पाए गए 10 ओस्ट्राका में से एक, खुदाई करने वाले यिगल याडिन द्वारा पाया गया था। ठीक है, यहूदी रेगिस्तान का अधिकांश भाग बीजान्टिन काल, ईसाई काल, लगभग 330 से 650 के बीच बहुत, बहुत सक्रिय था।

यह कई मठों में से एक है, जो चट्टान के ठीक सामने, जिसे प्रलोभन का पर्वत कहा जाता है, जेरिको की ओर देखते हुए और जंगल में 40 दिनों में यीशु के प्रलोभन की स्मृति में बनाया गया है। यह मार्स सबा, सबसे पुराना लगातार कब्जे वाला मठ है, लगभग जुडियन रेगिस्तान में, वास्तव में दुनिया में, चट्टान के ठीक ऊपर और बीजान्टिन काल से अब तक बनाया गया है, और इसकी लाइब्रेरी में कुछ बहुत कुछ पाया गया था, बहुत ही रोचक और बहुत ही प्रारंभिक पांडुलिपियाँ। वाडी केल्त, फिर से, यरूशलेम से जेरिको तक जाने वाले मार्गों में से एक है; इसके साथ ही वाडी केल्त सेंट जॉर्ज मठ है, माना जाता है कि एलिय्याह ने अहाब और इज़ेबेल से भागने के बाद यहीं शरण ली थी।

यह अभी भी एक क्रियाशील मठ है। मैं कई बार वहाँ पदयात्रा कर चुका हूँ और इस खूबसूरत जगह का दौरा कर चुका हूँ। अंत में, हम रिफ्ट वैली या जॉर्डन वैली पहुँचते हैं।

और फिर, यह जेरिको की साइट है। यह पुराने नियम के जेरिको से आधुनिक शहर की ओर देख रहा है। और वहाँ इतना हरा-भरा क्यों है? खैर, आपको एलीशा का वसंत मिल गया है।

यह भारी मात्रा में पानी बाहर निकालता है। और प्राचीन काल से, नवपाषाण काल से लेकर अब तक, जेरिको रेगिस्तान में एक प्रकार का उद्यान रहा है। और जॉर्डन घाटी में कहीं भी, पवित्र भूमि में कहीं भी, लेकिन विशेष रूप से जॉर्डन घाटी में, यदि आप समीकरण में पानी जोड़ सकते हैं, तो आप सचमुच कुछ भी उगा सकते हैं।

और वे करते हैं। जब तक उनके पास पानी है, वे फल, सब्जियाँ, खजूर, अंजीर आदि की जबरदस्त, अविश्वसनीय फसलें उगा सकते हैं। यह टेल ऑफ जेरिको, माउंट ऑफ जेरिको, यहाँ के पुराने नियम के स्थल की एक बहुत पुरानी तस्वीर है।

यह पृथ्वी पर सबसे पुराना और सबसे निचला शहर है, जो समुद्र तल से 1400 फीट नीचे है। और फिर, प्रारंभिक पूर्व-मिट्टी के बर्तनों का नवपाषाण काल वहीं बना हुआ है। फिर से, पुराने नियम के शहर का एक हवाई दृश्य।

आधुनिक शहर के हिसाब से बहुत छोटा, आकार में शायद नौ एकड़, लेकिन पुराने नियम के काल में एक बड़ा शहर। और ऐसा माना जाता है कि यह अपने विजेता के समय, इस्राएलियों की विजय के समय जैसा दिखता था। आप यहाँ प्रसिद्ध ब्रिटिश पुरातत्वविद् कैथलीन केन्योन द्वारा बनाई गई खाई देख सकते हैं, जिन्होंने 1950 के दशक में यहाँ खुदाई की थी।

और उस खाई के माध्यम से, उसने शहर के सभी स्तरों, सभी विभिन्न परतों को ऊपर से नीचे तक काट दिया। जब हम जोशुआ की किताब के बारे में बात करेंगे तो हम जेरिको के बारे में अधिक

बात करेंगे। न्यू टेस्टामेंट जेरिको एक अलग स्थान पर, फिर से, वाडी केल्ट के साथ, एक हस्मोनियन महल था, जिसे हेरोदेस द्वारा फिर से विस्तारित और अलंकृत किया गया था।

और आप इस बहुत ही अनोखे, विशिष्ट, हीरे के आकार के दीवार ब्लॉकों को देखते हैं। इसे ओपस रेटिकुलटम कहा जाता है। जब आप इसे इज़राइल की भूमि, पवित्र भूमि में देखते हैं, तो आप पहचानते हैं कि इसे बनाने वाला हेरोडियन ही होगा, क्योंकि हेरोडियन वास्तुकला का एक लक्षण वह ओपस रेटिकुलटम था।

तो, इस महल का आधा हिस्सा वाडी के एक तरफ है, आधा दूसरी तरफ। नए नियम काल में विलासितापूर्ण जीवन के बारे में बात करें। अविश्वसनीय है कि उनके पास क्या था और जो उनके पास था उसके साथ उन्होंने क्या किया।

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हडॉन हैं। यह सत्र 6, भौगोलिक क्षेत्र, भाग 2 है।